ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

23-06-2024

कर्मयोगी बन कर्म का पार्ट बजाना है लेकिन जब फुर्सत मिले तो सूक्ष्मवतन व मूलवतन में चले जाओ। जैसे कार्य से फुर्सत मिलने के बाद घर में चले जाते हो ना। दफ्तर का काम पूरा हुआ, घर में चले गये। ऐसे स्मृति रहे कि मेरा परमधाम घर अभी सामने खड़ा है। अभी-अभी यहाँ, अभी-अभी वहाँ। साकारी वतन के कमरे से निकल मूलवतन के कमरे में चले गये।

Be a karma yogi.

You have to be a karma yogi and play your part of performing actions, but when you have time, go to the subtle region or the incorporeal world. When you have time from your work, you go home. When your office work is finished, you go home. In the same way, have the awareness that your home of Paramdham is just in front of you. One moment you are here and the next moment, you are there. You come away from the room of the physical world and go to the room of the incorporeal world.